आज कि अव्यक्त मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:07-09-14

हम सब के प्यारे ब्रह्मा बाबा जिस धारणा के आधार पर संपूर्ण बने, ऐसे हम सब बच्चों को भी अपना संपूर्ण बनने का लक्ष्य को ध्यान दिलाते हुए, बापदादा ने कहा, अगर संपूर्ण बनना है तो इसके लिए विशेष धारणा है - सदा ब्रह्माचारी अर्थात ब्रह्मचारी और सदा पर-उपकारी.

बापदादा ने आज हम बच्चों को, हमारे प्यारे ब्रह्मा बाबा ने अपने साकार जीवन में, परोपकारी बनने की जो प्रेक्टिकल रुप में जो धारणा कि उसे बहुत स्पष्ट समझाया है, जिसे हम अपने भी धारण कर बाप समान संपूर्ण बन सकते है.

बापदादा ने कहा, परोपकारी बनने कि परिभाषा सहज भी है और अति गुह्य भी है.

1. पर-उपकारी अर्थात हर समय बाप समान हर आत्मा के गुणमूर्त को देखते, गुण-ग्राही बनो.

2. पर-उपकारी किसी की भी कमजोरी वा अवगुण को देखते अपनी शुभ भावना से, सहयोग की कामना से अवगुण को देखते उस आत्मा को भी गुणवान बनाने की शक्ति का दान देंगे.

3. परोपकारी अर्थात सदा बाप समान स्वयं के खजानों को सर्व आत्माओं के प्रति देने वाले दाता रूप होंगे.

4. परोपकारी सदा स्वयं को सर्व खजानों से सम्पन्न बेगमपुर के बादशाह अनुभव करेंगे. बेगमपुर अर्थात जहॉ कोई गम नहीं. संकल्प में भी गम के संस्कार अनुभव न हो.

5. परोपकारी अर्थात सदैव विशेष रुप से अपनी मन्सा अर्थात संकल्प शक्ति द्वारा, वाणी की शक्ति द्वारा, अपने संग के रंग द्वारा, सम्बन्ध के स्नेह द्वारा, खुशी के अखूट खज़ाने द्वारा अखण्ड दान करने वाला. कोई भी आत्मा सम्पर्क में आवे तो खुशी के खज़ाने से सम्पन्न होकर जाए. ऐसे अखण्ड दानी होंगे. विशेष समय वा सम्पर्क वाले अर्थात कोई-कोई आत्माओं के प्रति दानी नहीं लेकिन सर्व आत्माओं के प्रति महादानी होंगे.

6. परोपकारी आत्मा स्वयं मालामाल होने के कारण किसी भी आत्मा से कुछ लेकर के देने के इच्छुक नहीं होंगे. याद रहे किसी से कुछ लेकर के कुछ देनेवाले को परोपकारी नहीं सौदागर कहा जाता है.

7. परोपकारी अर्थात भिखारी को मालामाल बनाने वाले - अपकारी के ऊपर उपकार करने वाले, गाली देने वाले को गले लगाने वाले. परोपकारी आत्मा अपने पर-उपकार की शुभ भावना से, स्नेह से, शक्ति से, मीठे बोल से, उत्साह उमंग के सहयोग से दिलशिकस्त को शक्तिवान बना दे अर्थात भिखारी को बादशाह बना दे.

8. परोपकारी त्रिकालदर्शी होने के कारण ही आत्मा के संपूर्ण सहयोग को सामने रखते हुए, हर आत्मा की कमजोरी को परखते हुए उस कमजोरी को स्वयं में धारण नहीं करेंगे, वर्णन नहीं करेंगे. लेकिन अन्य आत्माओं की कमजोरी का काँटा कल्याणकारी स्वरूप से समाप्त कर देंगे. खुद कांटे बनने के बजाय - कांटे को भी फूल बना देंगे. ऐसे परोपकारी सदा सन्तुष्टमणी के समान स्वयं भी सन्तुष्ट होंगे और सर्व को भी सन्तुष्ट करने वाले होंगे.

9. परोपकारी आत्माओं की कमाल यह है जो होपलेस में होप पैदा करें. जिसके प्रति सब निराशा दिखायें ऐसे व्यक्ति वा ऐसी स्थिति में सदा के लिए उनकी आशा के दीपक जगा दें. अपने सहयोगी भाई वा बहन परिवार की आत्मायें, बेसमझी वा बालहठ से अल्पकाल की वस्तु को सदाकाल की प्राप्ति समझ, अल्पकाल का मान-शान-नाम वा अल्पकाल की प्राप्ति की इच्छा रखती हैं तो दूसरे को मान देकर स्वयं निर्माण बनना यही परोपकार है. यह देना ही सदा के लिए लेना है.

ॐ शांति.